भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

Press Release

Date: 22nd October, 2021

भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा 18 से 24 अक्तूबर 2021 के सप्ताह के दौरान **"आजादी का अमृत महोत्सव"** मनाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभाग द्वारा अनेक ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अवधि में विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा मौसम विज्ञान से जुड़े विषयों पर "व्याख्यान श्रृंखला" का भी आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में डॉ. के.के.सिंह वैज्ञानिक 'जी' तथा श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (राजभाषा) के समन्वय से आज 11.30 बजे से 12.30 बजे तक विभाग के मुख्यालय द्वारा दिव्यांग छात्रों/अध्यापकों के लिए एक वेबिनार रखा गया जिसमें सेवानिवृत्त वैज्ञानिक 'जी' श्री आनंद कुमार शर्मा ने दिव्यांग छात्रों तथा अध्यापकों को "मौसम और जलवायु सेवाएं" विषय पर व्याख्यान दिया श्रीमती सोनिया शर्मा ने सांकेतिक भाषा में छात्रों को सरलता पूर्वक समझाया। वेबिनार की लाइव स्ट्रीमिंग यूट्यूब के माध्यम से भी की गई। वेबिनार में बड़ी संख्या में दिव्यांग छात्रों/अध्यापकों ने भाग लिया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र ने व्याख्यान हेतु आमंत्रित अतिथि श्री आनंद कुमार शर्मा तथा सांकेतिक भाषा विशेषज्ञ श्रीमती सोनिया शर्मा एवं वेबिनार में जुड़े सभी छात्रों तथा अध्यापकों का अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि विभाग का इस प्रकार का यह पहला प्रयास है और इस वेबिनार के आयोजन का उद्देश्य देश के दिव्यांग छात्रों को आमजन से जुड़े 'मौसम' जैसे महत्त्वपूर्ण विषय पर जानकारी प्रदान करना ताकि वे भी भारत मौसम विज्ञान विभाग की महत्त्वपूर्ण कार्य प्रणाली एवं उपलब्धियों के विषय में समझ सकें और इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि इस व्याख्यान से सभी छात्र और अध्यापक अवश्य लाभान्वित होंगे क्योंकि मौसम एक ऐसी घटना है जो समाज के हर वर्ग को प्रभावित करती है और इसकी पूर्वानुमान प्रणाली के विषय में जानने के लिए सभी उत्सुक रहते हैं। विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों के लिए इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन निश्चित ही उन्हें मौसम और जलवायु के विषय में और अधिक जानने के लिए प्रेरित करेगा।

श्री आनंद कुमार शर्मा ने अपने व्याख्यान में अत्यंत सरल भाषा में दिव्यांग छात्रों को '**भारत में मौसम पूर्वानुमान प्रणाली**'के विषय में जानकारी प्रदान की जिसमें विभाग की मौसम पूर्वानुमान सेवाओं में उपयोग किए जाने वाले सतह उपकरणों, ऊपरी वायु यंत्र तथा उपग्रह के माध्यम से आँकड़े एकत्र करने, रेडार द्वारा अगले 2 से 4 घंटों में वर्षा होने की संभावना वाले स्थानों का पता लगाने, वास्तविक समय पर आँकड़े एकत्र करने तथा उनके आधार पर पूर्वानुमान करने की अनिवार्यता के विषय में जानकारी दी। व्याख्यान के अंत में वेबिनार से जुड़े छात्रों तथा अध्यापकों ने सांकेतिक भाषा में अनेक रोचक प्रश्न पूछे जिन्हें श्रीमती सोनिया शर्मा ने श्री आनंद कुमार शर्मा को बताया तथा उनके माध्यम से प्रश्नों के उत्तर किया। कार्यक्रम के समन्वयकर्ता डॉ. के.के.सिंह द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी छात्रों को उनकी भागीदारी के लिये प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

वेबिनार से जुड़े विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा समन्वयकर्ताओं ने भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिव्यांग छात्रों तथा अध्यापकों हेतु आयोजित किए गए वेबिनार की प्रशंसा की तथा बताया कि इससे उनके छात्र अवश्य लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम के अंत में श्रीमती सरिता जोशी, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने श्री आनंद कुमार शर्मा,श्रीमती सोनिया शर्मा सहित सभी उपस्थित छात्रों, विद्यालयों तथा वेबिनार के सफल संचालन में सहयोग हेतु सभी अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।